जलक्रांति-गौक्रांति-गाय आधारित कृषिक्रांतिकी जन्मभूमी-जामका

गो-धरामृत प्लान्ट

बायो डायझेस्टर

गौ-धरामृत प्लान्टके फायदे

- गौ-धरामृतके उपयोगसे मीट्टी झहर और केमीकल मुक्त होती है ।
- प्रवाही स्वरूपसे बना धरामृत मीट्टीके भीतर बसते मीत्र बेकटेरीयाका प्रमाण मे बढोतरी होती है । बेकटेरीया संख्या बढनेसे पोधेको पूर्ण प्रमाणमे पोषण मीलता है ।
- गौ-धरामृत के उपयोगसे मीट्टी उपजाव व सेहतमंद होती है. इस के उपयोगसे फसले स्वस्थ रहती है और उपजकी गुणवंतामे सुधार होताहै ।
- गौ-धरामृत से निर्मीत उत्पादन मानव जीवनको जहर मूक्त बनाने के साथ साथ प्रकृति औ पर्यावणको पदूशण मूक्त बनाते है ।
- गौ-धरामृत प्रवाही से जनित कृषि रोगोसे प्राकृतिक नियंत्रणमे मदद करता है ।
- गौ-धरामृत प्रवाही को खेतमे उपयोग कीया जाताहै वह मीट्टी की लवणता को तोडता है और पी.अेच. को संतुलीत करता है जीसे मीट्टी उपजाव और उर्वर हो जाती है ।
- लवणीय मीट्टीमे अच्छा परिणाम प्राप्त होता है ।
- मीट्टीमे बेकटेरीया (सुक्षम जीवो) ओर केचुओ की वृध्धी होती है
- गाय के गोबर, गौ-मूत्र और कृषि से उत्पादन के बाद के कचरे को गौ-धरामृत प्रवाही का उपयोग करने से एक अच्छा प्राकृतिक उर्वरक बनाया जाता है ।

गौ-धरामृत प्लान्टके फायदे

- गौ-धरामृत के प्रवाही से मीट्टीमे प्रकृतिक कार्बनकी मात्रामे काफी वृध्धी होती है ।
- गौ-धरामृत प्रवाही स्वरूपमे होने से छाननेकी आवश्यकता नही होती है और यह ड्रीप सींचाइमे आशानीसे दीया जाता है ।
- गौ-धरामृत मूमि मे देने से पानी की बचत होती है और खेती की लागत कम आती है । कम महेनतमे बहेतरीन उत्पाद मीलता है ।
- गौ-धरामृत प्लान्टकी डीझाइन बहुत सस्ते और टीकाउ पदार्थो से बनाया जाता है साथ ही गौधरामृतकी फीटींग भी उच्च कोटी की होती है जीससे आयु लंम्बी होती है ।
- गौ-धरामृत प्लान्टमे ऐक गाय के आधार पर पांच एकडमे अच्छी खेती की जाती है. खेती की लागतमे कम से कम २० प्रतिशत तक की कमी आती है. जीससे खेती को लाभकारी बनाया जा शकता है ।
- गौ-धरामृत प्लान्टके फीटींग के साथ साथ नटबोल्ट लम्बे समय तक चलने के लीये स्टेनलेस स्टील (३०४) से बने होते है. सभी फीटींग्स स्वयंम करने योग्य फीटींग की वयवस्था है यही कारणसे ज्यादा लागत नही होता है ।
- गौ-धरामृत प्लान्ट लगाऐ और खेती की लागत कम करे और मूनाफा बढाऐ ।

उपदेश

गाय अेक ऐसा जीव है जो प्रकृतिने दीया है जीसका घी औ दूध से मानव संस्कृति, और गोबर गौमूत्र से कृषि संस्कृति को बचाने की परंपरा भगवान श्रीकृष्ण बलराम के समय से चली आ रही है. कृषिको महान बनाने के लीये भगवान श्रीकृष्ण ने भी गाय रखी थी और बडेभाइ बलरामने हजारो साल पहले हल जोधकर कर्म-धर्म और निती का संदेश दीया था।

भारतिय संस्कृति समग्र विश्वमे महान है। इसमे रहेने वाले मी महान है. देशमे कृषिके क्षेत्रमे काम करने वाले किशान कृषिके रुषी ह । जीसको जगतात का बीरुद मीला है । अेसे लोग देश और देशकी कृषि को चलाते ह। भारतीय संस्कृतीमे अेक विरासत परंपरा पूरे देशकी खेती, जीवन शैली और प्रणाली अच्छी थी ।

कृषिमे कई संसोधनो के बावजूत आज कृषि बीमार ह । महंगा और अनुउत्पादक हो जाता है । इसका मूल कारण रासायणिक, यह कीटनाशक के अधिकत्तम उपयोग के कारण धरती बनझर बन रही है । ईस अज्ञानताने कृषि के क्षेत्रमे बहूत बडा नूकशान कीया है ।

है भारतमता के अनमोल मानवजीवन और उसके मूल्य को पहेचानीये और हम देशभक्त और देश रक्षक बनकर देश और देश के जीवन, प्रकृति और पर्यावरण को रहने योग्य और सुरक्षीत बनाए मनुष्य होने के नाते हमारा सवभाविक कर्तव्य है । आइए सब मीलकर गाय, जल, भुमि, प्रकृति और पर्यावरणकी रक्षा करे । औ र अपने देश की रक्षाके लीये सपथ ले स्वयंम जागृत बने औ भारत माताको हंमेशाके लीये सर्वोच्च स्थान पर रख ।

आइए हम हजारो शाल पहले की हमारी प्राचीन जीवन शैली सजीव कृषि परंपराको याद करे और उसके मूल्यो को समझे और पूरानी जीवन शैलीको वापय आइए ।

जन जागृतताके माध्यमसे परंपरा, विरासत और संस्कृतिको अपने जीवनमे ला कर राष्ट्रको महान और मजबूत बनानेके लीये सशक्त करे। जीवनको सुरक्षित रखे औ गौ आधारित कृषिके माध्यमसे वीष ऐवम रसायण मूक्त खेती करे। आइए ऐक विष मूक्त जीवन जीये और अपनी वंश परंपरागत के रुपमे उपहार दे । और प्रकृतिके जन्म और मृत्यु के प्राकृतिक चक्रको बनाऐ रखे ।

गुजरात के महा महिम राज्यपालश्री आचार्यदेवरतजी एवम् भारत के यशश्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी देश की जनता को झहर मूक्त जीवन प्राकृतिक कृषि के झरीये देने का प्रयास कर रहे है। जीसमे आप सब सामील हो कर देश को महान बनाईए।

गौ माताकी जय-भारत माता की जय -प्रकृति माताकी जय।

नमस्ते

परसोत्तमभाइ सीदपरा

Gopi Engineering
The way of nature

IAF
ISO 9001:2015

गोपी ईन्जीनीयरींग
जामका ता.जी. जूनागढ
कस्टमर केर :
94295 51005, 96621 16266
94272 28975